पीआरओ -मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

26 जनवरी, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिइ में कोविड-19 दिशानिर्देशों के पालन के साथ 72वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिइ) में सामाजिक दूरी और अन्य कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आज 72वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया|

मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के डॉ. एमए अंसारी सभागार के लॉन में आयोजित किया गया, जहाँ जामिइ की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) अशोक सेठ (पद्म विभूषण, पद्म श्री, अध्यक्ष, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट्स इंस्टीट्यूट एवं गवर्निंग बोर्ड) की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण से पहले विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट द्वारा डॉ. सेठ को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गान हुआ, जिसमें महामारी की स्थिति के मद्देनजर सीमित संख्या में शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और जामिया स्कूलों के वरिष्ठ कक्षाओं के कुछ छात्रों को शामिल किया गया।

मुशीर फातिमा नर्सरी स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत देश के विभिन्न राज्यों के शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत करके भारत को संगीतमयी उपहार दिया। जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने एक समूह गान प्रस्तुत किया जबकि जामिया गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और जामिया मिडिल स्कूल के छात्रों ने देशभक्ति गीतों पर समूह नृत्य किया। सैय्यद आबिद हुसैन सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा कव्वाली का शानदार प्रदर्शन किया गया।

दर्शकों के लिए अपने संबोधन के दौरान, जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने कहा कि विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में मनाया जाने वाला यह गणतंत्र दिवस हमारे लिए महामारी की स्थिति को देखते हुए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह जीवन का उत्सव भी साबित होता है, क्योंकि इसने हमारे आसपास की एकरसता और नीरसता को दूर कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में जेएमआई का शानदार प्रदर्शन इसके शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं छात्रों की सहभागिता, गहन शोध, परिश्रमी अध्ययन और विशेष रुचि के कारण है।

प्रो. अख्तर ने कहा कि विश्वविद्यालय ने सरकार के हर आह्वान की प्रतिक्रिया में महामारी के कारण सामने आयीं चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई और साथ ही महामारी का सामना करने के लिए हजारों डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य लोगों का मनोबल एवं साहस बढ़ाने के लिए एकजुटता से खड़ा रहा और पूरे देश में खुशी और स्वास्थ्य की शुरुआत हुई।

महामारी के प्रभाव पर बोलते हुए प्रो. अख्तर ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। जामिइ सहित सभी विश्वविद्यालयों में इसके प्रभाव को गंभीर रूप से महसूस किया जा रहा है। “मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि अब सरकार ने हमें उन सभी चीजों के लिए एक बहुत अच्छा पुनरुद्धार

पैकेज दिया है जो हम सही समय पर प्राप्त नहीं कर पाए थे। मैं शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी और अंततः उसी के लिए हमारे प्रधान मंत्री के प्रति बहुत आभारी हूं। "

उन्होंने छात्रों को 'कभी हार न मानने' की सलाह दी और कहा कि यह सफलता के लिए उनका मंत्र होना चाहिए| "व्यावहारिक कौशल, सोच कौशल, सामाजिक कौशल, भावनात्मक कौशल और पारस्परिक कौशल की सीमा का विकास करना चाहिए। ये आपको अपने जीवन और करियर के प्रति दृढ़ रवैया दिखाने में मदद करेंगे। उठो और करना शुरू करो । ईमानदार प्रयासों के साथ दौड़ में रहें। आपका सफल होना निश्चित है। मैं उन स्कूली छात्रों की शानदार सफलता की कामना करता हूं जो अपनी बोर्ड परीक्षा देने जा रहे हैं।

प्रो. (डॉ.) अशोक सेठ जोकि एएमयू के पूर्व छात्र भी हैं उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जामिया मेरी मातृसंस्था है और मुझे इस महान संस्थान में उपस्थित होने की खुशी है जो अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।

महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंट लाइन कार्यकर्ताओं की भूमिका को विस्तार से बताते हुए डॉ. सेठ ने कहा, "वे सम्मान के पात्र हैं क्योंकि उन्होंने महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और लोगों के जीवन को बचाने के लिए इतना बलिदान दिया और मैं यहां उनके प्रतिनिधि के रूप में आप सभी के साथ हूं|"

सभा ने स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंट लाइन कार्यकर्ताओं को स्टैंडिंग ओवेशन दिया।

समारोह का समापन डॉ. नाज़िम हुसैन अल-जाफरी, कुलसचिव, जामिइ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अहमद अज़ीम
पीआरओ-मीडिया समन्वयक